

फर्द अहकाम

य

लुनेशानन्द

बनाम

हरिराम

संख्या/वर्ष

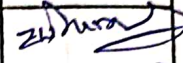
:

/20

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
---------------------------	----------------------	-------------

17/4/23

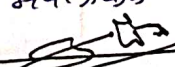
पडावली पैराग्राफ) वक्तुकार फरिश्तु उप.।
सरकार फरिश्तु उप.। धरिवाणी (अप.। सं.)
हरिराम स्वयं उप.।


(हरिराम धरिवाणी सं.)

सरकार फरिश्तु द्वारा उस्तुत धरिवाणी पत्र
अन्तर्गत धरिवाणी 7 नियम 11 व धारा 11, 15।
196 वर वरम सुनी उप.। धरिवाणी वरम धरिवाणी
सरकार फरिश्तु द्वारा धरिवाणी पत्र में धरिवाणी
नरिषों का उल्लेख करते हुए कदा कि-पायलप
उपखण्ड धरिवाणी सं.। भरलोक द्वारा उन्वानी
हरिराम बनाम सरकार के वाद में 17 दिनांक
13/6/2018 को धरिवाणी निर्णय पारित कर दिया
गया था। जिसकी अपील सुनेवा चन्द द्वारा
माननीय संसद-न्यायालय सेनागीय आधुस
जयपुर में पेश की। धरिवाणी पत्र में विनादित
खसरा नं. 201 के संबंध में न्यायालय द्वारा
पूर्व में निर्णय किया जा चुका है। जिसकी अपील
भी धरिवाणी द्वारा की गई है। धरिवाणी सुनेवा चन्द
द्वारा न्यायालय को सुगलें में रखते हुए पूर्व
में निर्णय खसरा नम्बर 201 के संबंध में नया
वाद पेश किया जो कि कावगन चले योग्य
नहीं होने के कारण खारिज होने योग्य है।

धरिवाणी धरिवाणी द्वारा सरकार फरिश्तु
द्वारा उल्लेखित नरिषों के संबंध में सहायि
दशाते हुए कदा कि खसरा नं. 201 के संबंध में
पूर्व में न्यायालय द्वारा निर्णय किया जा चुका है।

वरम उप.। पसकारान् धरिवाणी सं.।
17/ पडावली का उ.। आधुपान् भरलोक



फर्द अहकाम

न्यायालय _____

बनाम _____

मुकदमा संख्या/वर्ष _____ / 20 _____

क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
---------	---------------------------	----------------------

किमा गमा ।
 प्राणी द्वारा बसरा नगर 201 के संबंध में पूर्व में वाद निर्णित होने एवं निर्णय क्रमांक 1316/2018 के विरुद्ध अपील किए जाने के बावजूद न्यायालय को सुनारने में स्वतंत्र रूप निर्णय पारित करवाने से इंकार से यह धारणा प्रस्तुत किया जाने से इस्तेमाल प्रकार के खारिज किया जाना न्यायोचित है।

अति: सरकार केरीफार द्वारा प्रस्तुत धारणा पर स्वीकार किया जाकर सुरेश चन्द द्वारा प्रस्तुत धारणा पर अनर्गल धारा 136 अ-राज्य अधिनियम खारिज किया जाता है। निर्णय सुनने न्यायालय में सुनाया गया।

पठावली कैसल सुनार होकर नम्बर में फत होकर जारी पत्र है।




फर्द अहकाम

न्यायालय _____

बनाम _____

मुकदमा संख्या / वर्ष _____

/ 20 _____

क्र०स०	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>किया गया ।</p> <p>डायरी द्वारा ब्यसरा नं २०१३ संकेत में पूर्व में वाद निर्णित होने एवं निर्णय दिनांक 13/6/2018 के विरुद्ध अपील किए जाने के बावजूद न्यायालय को मुगालत में रखते हुए निर्णय पारित करने के उद्देश्य से यह धारणापत्र प्रस्तुत किया जाने से हस्तागत प्रकरण को खारिज किया जाना न्यायोचित है।</p> <p>वृत्ति: सरकार के रिकार्ड द्वारा प्रस्तुत धारणापत्र स्वीकार किया जाकर सुरेश चन्द द्वारा प्रस्तुत धारणापत्र अनंगीत धारा 136 अ-राजस्व अधिनियम खारिज किया जाता है। निर्णय मुझे न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p>पडावली केसल मुगालत होकर नम्बर में फर्द होकर जारील पफतर है।</p> <div style="text-align: right; margin-top: 20px;">  </div>

न्यायालय उपखंड अधिकारी,
जोबनेर, जयपुर ।

उनवान :- सुरेश चन्द्र वगै० बनाम हरिराम वगै०

प्रार्थन पत्र अन्तर्गत आदेश 7 नियम 11 धारा 11, 151 सी०पी०सी०

श्रीमान जी,

प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार प्रस्तुत है:-

1. यह की उपरोक्त उनवानी प्रकरण में आज की तारीख पेशी नियत है।
2. यह की उपरोक्त उनवानी प्रकरण में न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांभर द्वारा दिनांक 13.06.2018 को अंतिम निर्णय पारित कर दिया गया था। उक्त निर्णय के विरुद्ध माननीय न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर में सुरेश चंद बनाम हरिराम मुकदमा नं० 77/19 की प्रति अप्रार्थी संख्या 1 हरिराम ने प्रस्तुत की है।
3. यह की प्रस्तुत प्रकरण में वर्णित खसरा नं० 201 के संबंध में पूर्व में न्यायालय द्वारा अंतिम निर्णय पारित किया जा चुका है। जिसकी अपील भी पक्षकारान द्वारा की गयी है। अपील दायर किए जाने से अप्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत यह प्रार्थना पत्र पेश किया गया है, जो खारीज होने योग्य है।
4. यह की अप्रार्थीगण न्यायालय के समक्ष स्वच्छ हाथों से नहीं आए है एवं न्यायालय को मुगालते में रखते हुए निर्णय पारित करवाना चाहते है। इस कारण भी अप्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र खारिज किए जाने योग्य है।
5. यह की प्रार्थना पत्र पर राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 215 के अंतर्गत न्याय शुल्क से छूट प्राप्त है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि अप्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र खारिज फरमाने के आदेश प्रदान करावें।

प्रार्थी/अप्रार्थी संख्या 2

दिनांक 29/11/22

तहसीलदार, तहसील, जोबनेर।
जिस्से सरकार पेंरोकार

न्यायालय उपखंड अधिकारी,
जोबनेर, जयपुर ।

उनवान :- सुरेश चन्द्र वगै० बनाम हरिराम वगै०
प्रार्थन पत्र अन्तर्गत आदेश 7 नियम 11 धारा 11, 151 सी०पी०सी०
श्रीमान जी,

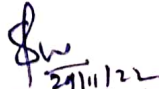
प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार प्रस्तुत है:-

1. यह की उपरोक्त उनवानी प्रकरण में आज की तारीख पेशी नियत है।
2. यह की उपरोक्त उनवानी प्रकरण में न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांभर द्वारा दिनांक 13.06.2018 को अंतिम निर्णय पारित कर दिया गया था। उक्त निर्णय के विरुद्ध माननीय न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर में सुरेश चंद बनाम हरिराम मुकदमा नं० 77/19 की प्रति अप्रार्थी संख्या 1 हरिराम ने प्रस्तुत की है।
3. यह की प्रस्तुत प्रकरण में वर्णित खसरा नं० 201 के संबंध में पूर्व में न्यायालय द्वारा अंतिम निर्णय पारित किया जा चुका है। जिसकी अपील भी पक्षकारान द्वारा की गयी है। अपील दायर किए जाने से अप्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत यह प्रार्थना पत्र पेश किया गया है, जो खारीज होने योग्य है।
4. यह की अप्रार्थीगण न्यायालय के समक्ष स्वच्छ हाथों से नहीं आए हैं एवं न्यायालय को मुगालते में रखते हुए निर्णय पारित करवाना चाहते हैं। इस कारण भी अप्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र खारिज किए जाने योग्य है।
5. यह की प्रार्थना पत्र पर राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 215 के अंतर्गत न्याय शुल्क से छूट प्राप्त है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि अप्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र खारिज फरमाने के आदेश प्रदान करावें।

प्रार्थी/अप्रार्थी संख्या 2

दिनांक - 24/11/22


24/11/22
तहसीलदार, तहसील, जोबनेर।
परिचय सरकार पंचोत्तर